सबसे ऊँची प्रेम सगाई | By Varsha Shrivastava

सबसे ऊँची प्रेम सगाई
सबसे ऊँची प्रेम सगाई
दुर्योधन की मेवा त्यागा
साग विदुर घर खाई
सबसे ऊँची प्रेम सगाई
सबसे ऊँची प्रेम सगाई

झूठे फल शबरी के खाये
बहुविधि स्वाद बताई
सबसे ऊँची प्रेम सगाई
सबसे ऊँची प्रेम सगाई

प्रेम के बस अर्जुन रथ हांक्यो
भूल गए ठकुराई
सबसे ऊँची प्रेम सगाई
सबसे ऊँची प्रेम सगाई

ऐसी प्रीत बढ़ी वृन्दावन
गोपियन नाच नचाइ
सबसे ऊँची प्रेम सगाई
सबसे ऊँची प्रेम सगाई

सूर्य क्रूर कहीं लायक नाही
कहीं नभ करहुं बढ़ाई
सबसे ऊँची प्रेम सगाई
सबसे ऊँची प्रेम सगाई

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b8%e0%a4%ac%e0%a4%b8%e0%a5%87-%e0%a4%8a%e0%a4%81%e0%a4%9a%e0%a5%80-%e0%a4%aa%e0%a5%8d%e0%a4%b0%e0%a5%87%e0%a4%ae-%e0%a4%b8%e0%a4%97%e0%a4%be%e0%a4%88-by-varsha-shrivastava/